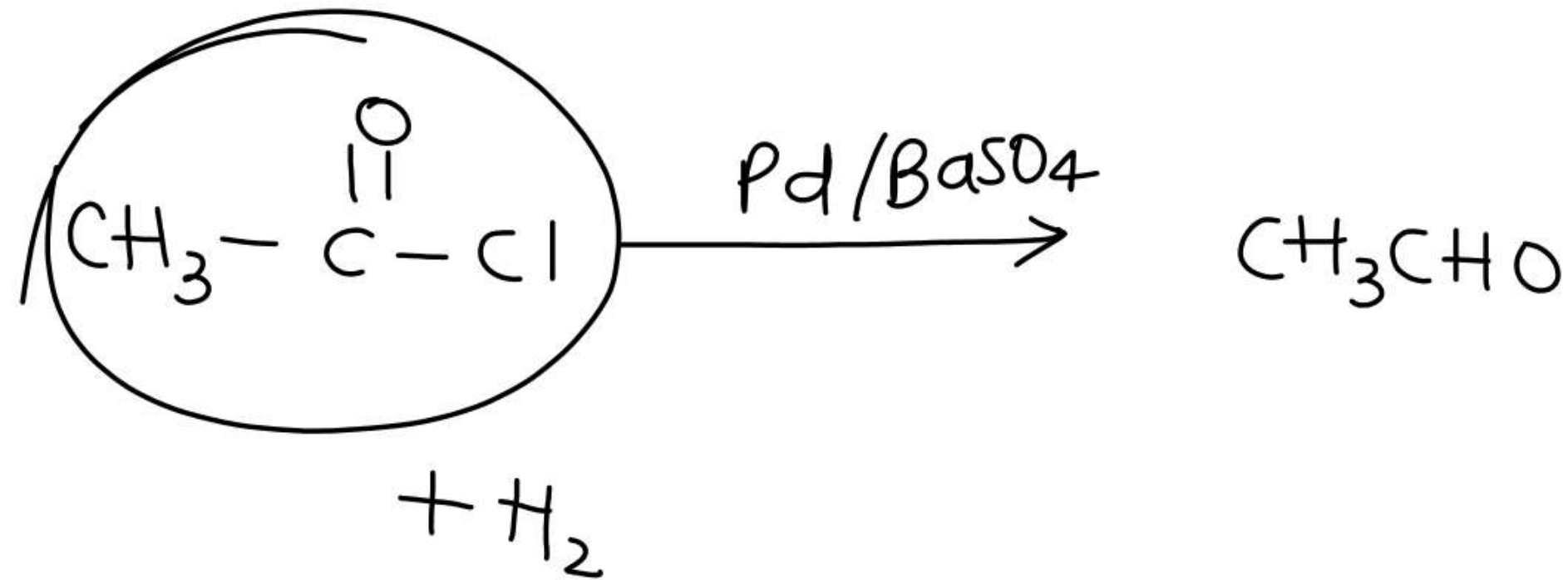


Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

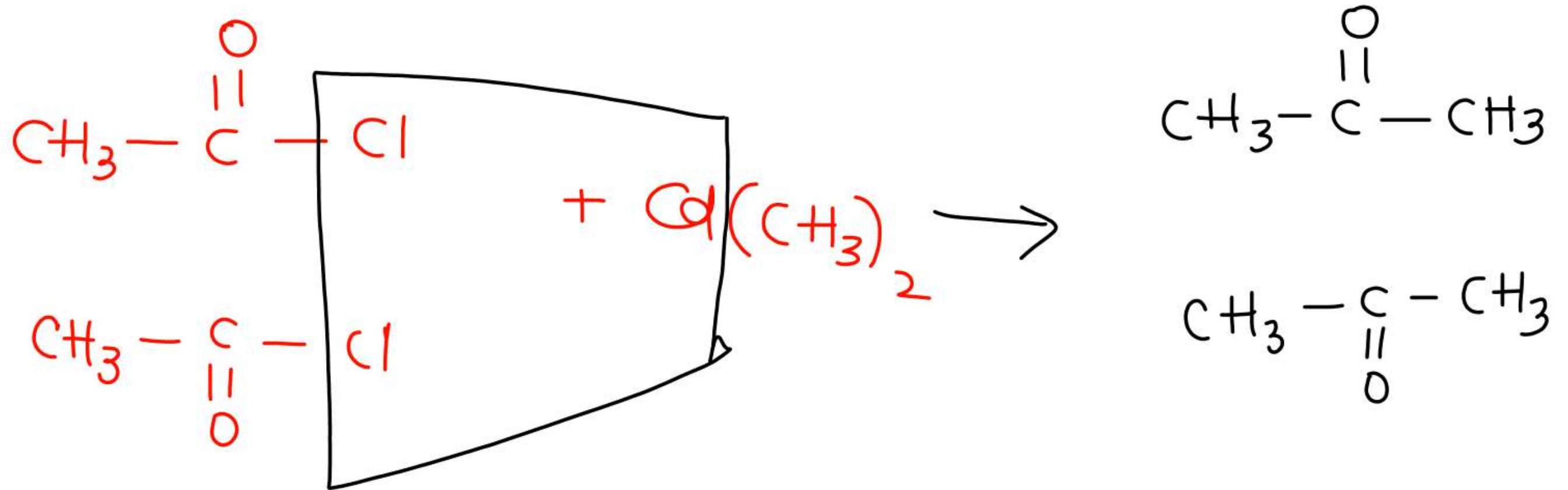
एसिड क्लोराइड से - किसी एसिड क्लोराइड को जाइलिन में घुलाकर प्राप्त विलयन को उबालते हैं। इस विलयन में पैलेडियमयुक्त बेरियम सल्फेट की उपस्थिति में हाइड्रोजन गैस प्रवाहित करने पर एसिड क्लोराइड अवकृत होकर ऐल्डिहाइड में बदल जाता है। इस अभिक्रिया को **रोजेनमुंड अभिक्रिया** कहते हैं।



नोट: इस विधि से कीटोन नहीं बनता है।

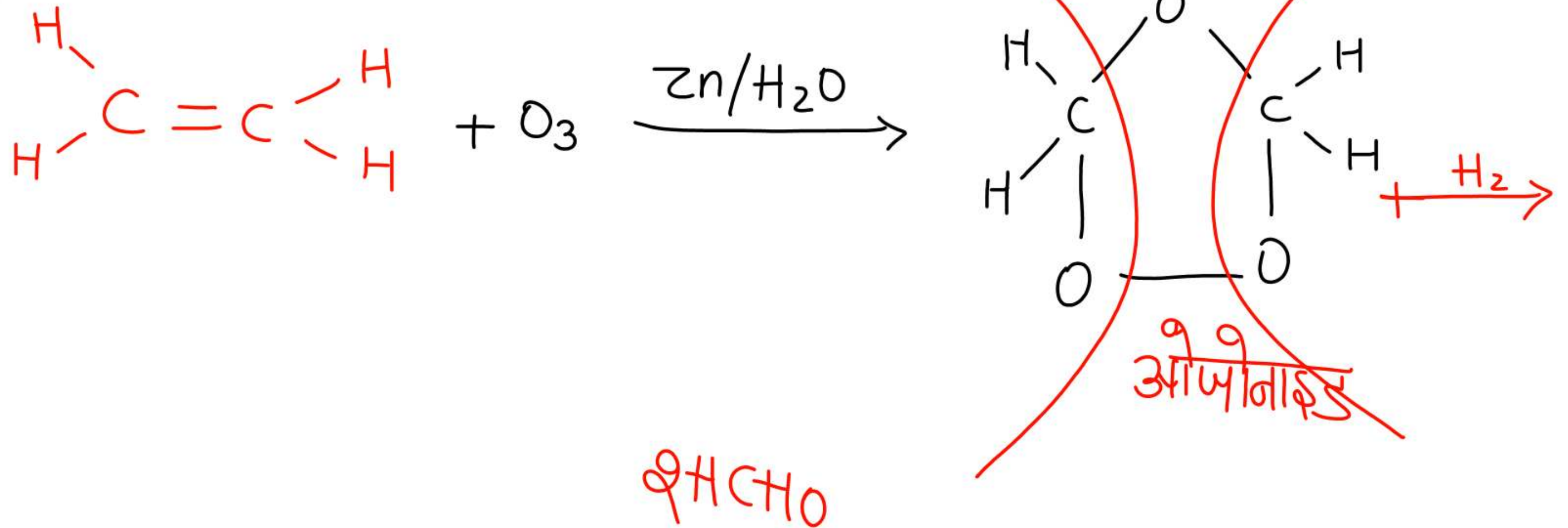
Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

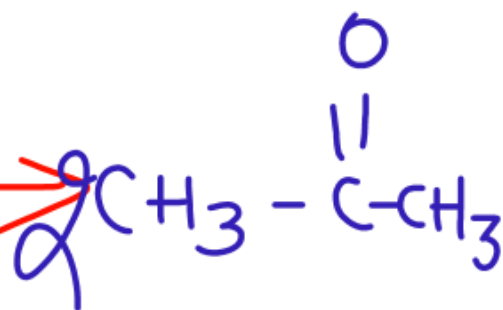
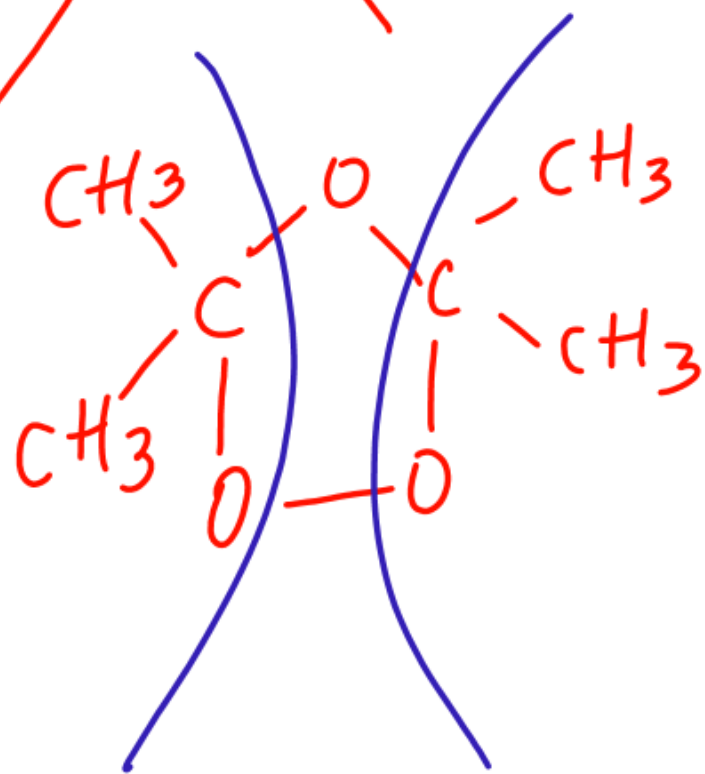
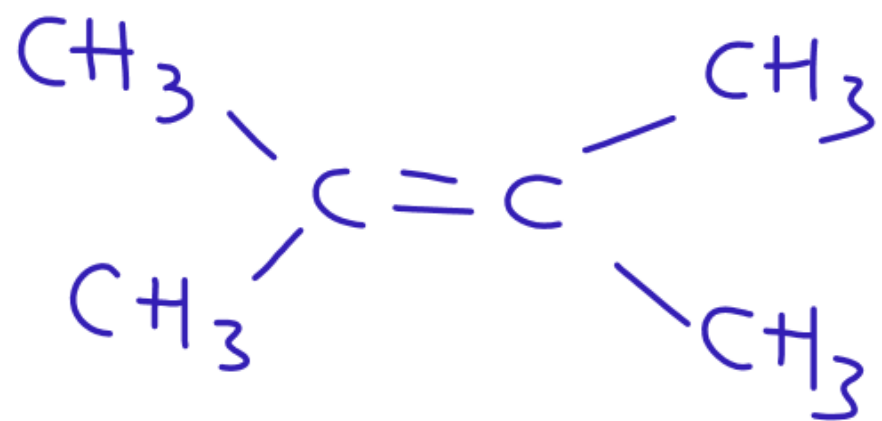
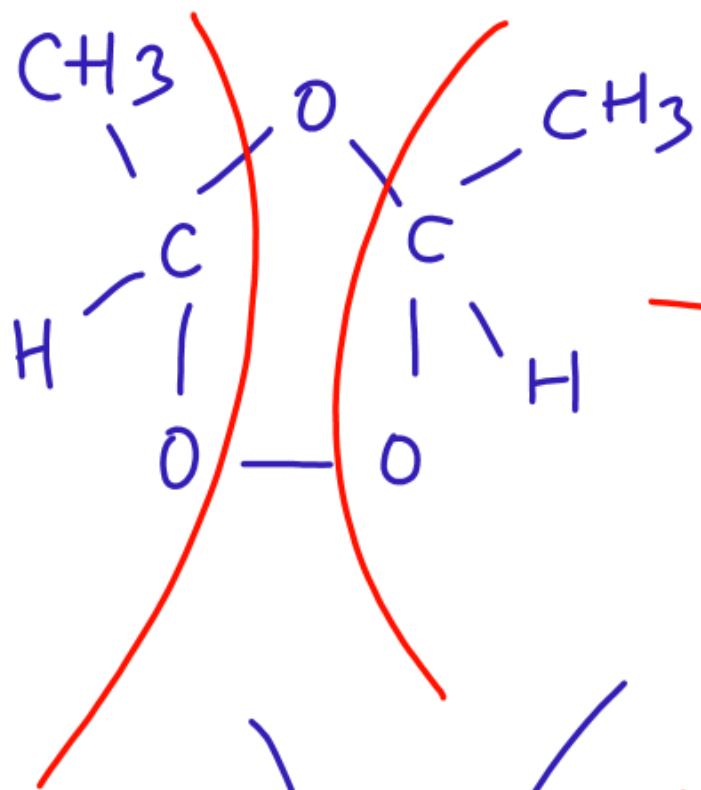
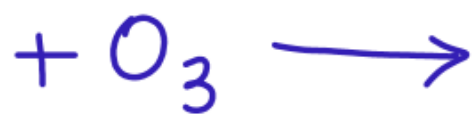
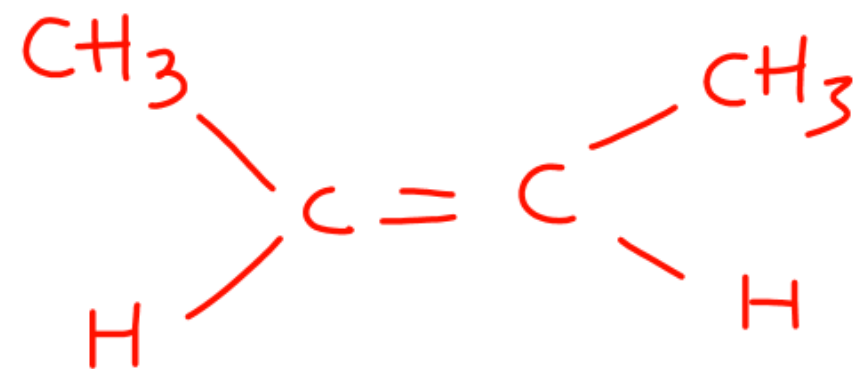
ऐसिडक्लोराइड का डाइमेथिलकैडमियम के साथ अभिक्रिया कराने से कीटोन बनता है।



Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

ऐल्कीन के ओजोनीकरण के द्वारा- ऐल्कीने ओजोन के साथ अक्रिय विलायक में ओजोनाइड बनाती है, जिसका जिंक चूर्ण तथा जल द्वारा अपचयित विदलन कराने पर ऐल्डिहाइड या कीटोनो के दो अणु या दोनो के मिश्रण देती है।

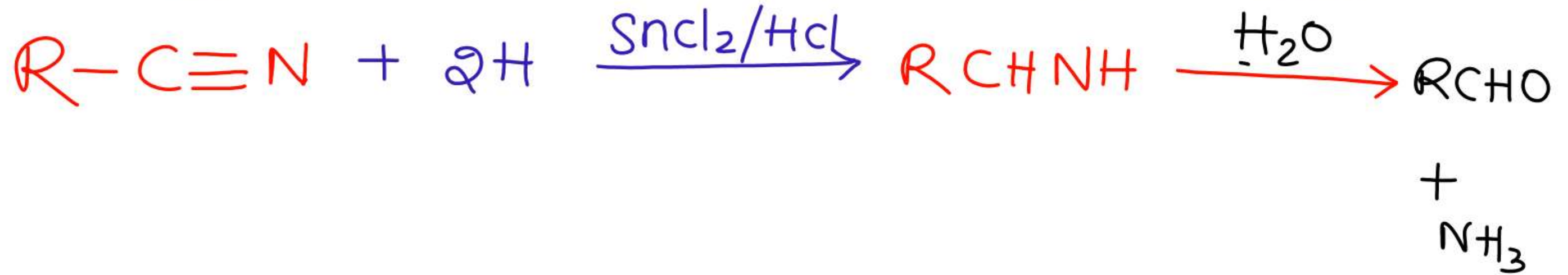




Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

नाइट्राइल से: नाइट्राइलो का अपचयन स्टैनस क्लोरोराइड तथा हाइड्रोक्लोरिक अम्ल द्वारा कराने पर इमीन प्राप्त होता है जिसके जल अपघटन से ऐल्डिहाइड बनता है।

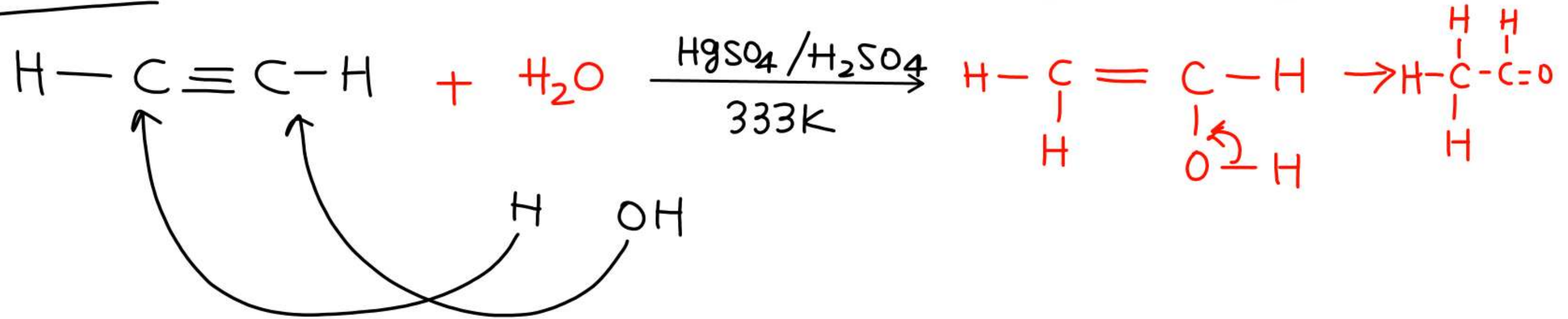
स्टीफन
अभि०



नोट: इस विधि से कीटोन नहीं बनता है।

Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

ऐल्काइन से : जब ऐसीटिलीन को 333K पर तनु सल्फ्यूरिक अम्ल जिसमें 1% मरक्यूरिक सल्फेट रहता है, से प्रवाहित किया जाता है तो ऐसीटैल्डिहाइड बनता है।



नोट: इस विधि से फॉर्मैल्डिहाइड नहीं बनता है।

Chapter-12. ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

एरोमैटिक ऐल्डिहाइड का विरचन की विधियाँ (इटाई अभि०)

(a) क्रोमिल क्लोराइड से- जब टॉलुइन की अभिक्रिया क्रोमिल क्लोराइड से कराते है तथा जल अपघटन कराते है तो बेन्जैल्डिहाइड बनता है।

